M 5382

Reg. No. : .....

Name : .....

I Semester B.A./B.Sc./B.Com./B.B.A./B.B.A.T.T.M./B.B.M./B.C.A./B.S.W./ B.A. Afsal-Ul-Ulama Degree (CCSS – Regular/Supple./Improvement) Examination, November 2013

(For B.Sc. LRP/BCA/BSW)

COMMON COURSE IN HINDI

1A07 2 HIN : Literary Trends in Hindi

Time: 3 Hours Max. Weightage : 20

निर्देश : किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(Weightage 2)**

1. परबति परबति मैं फिरा, नैंन गँवाया रोइ ।
   सो बूटी पाऊं नहीं, जातैं जीवन हाइ ।।

2. पग नूपुर औ पहूँची करकंजनि, मंजु बनी
   मनिमाल हिये ।
   नवनील कलेवर पीत झाँगा झलकैं पुलकैं नृप
   गोद लिये ।।
   अरविंद सो आनन; रूपमरंद अनन्दित लोचन
   भृंग पिये ।
   मन मो न बस्यौ आस बालक जौ तुलसी
   जग में फल कौन जिये । **(1×2=2)**

निर्देश : किन्हीं **चार** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(Weightage 2 each)**

3. असंख्य कीर्ति - रश्मियाँ,
   विकीर्ण दिव्य दाह-सी ।।
   सपूत मातृभूमि के
   रुको न शूर साहसी ।

P.T.O.

4. देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार ;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोयी नहीं,

5. हाय ! मृत्यु का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन ?
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन !
संग-सौध में हो श्रृँगार मरण का शोभन ?
नग्न क्षुधातुर वास विहीन रहें जीवित जन ?

6. अभिव्यक्ति के इन सीधे-सादे रूपों को भी
सब भूल गये
कोई नहीं पहचानता ।
यह कैसी लाचारी है
कि हमने अपनी सहजता ही
एकदम बिसारी है ।

7. समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद ! कार ले कोई पहचाना ऊपर से देख कर

8. भरपूर गुस्से के साथ
जुलूस में शामिल हुए महंगाई के खिलाफ,
निष्ठापूर्वक गए हड़ताल पर । **(4×2=8)**

निर्देश : किसी **एक** कविता की समीक्षा कीजिए । **(Weightage 4)**

9. मनुष्यता ।

10. बीस साल बाद । **(1×4=4)**

निर्देश : निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(Weightage 1 for each Bunch)**

11. अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है बढे चलो बढ़े चलो ।।

क) यह किसकी पंक्तियाँ है ?
(जयशंकर प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त, निराला पंत)

ख) यहाँ वीरपुत्र कौन है ?

ग) यहाँ किस ओर बढने का आह्वान है ?

घ) कवि इन पंक्तियों के द्वारा कौन सा संदेश दे रहा है ?
(पर्वत चढने का, दूर दूर जाने का, मरने का, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए आगे बढने का)

12. सुनी मैं ने वह नहीं जो थी सुनी झंकार
एक क्षण के बाद वह काँपी सुधर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा -
''मैं तोडती पत्थर !''

क) इन पंक्तियों के रचयिता कौन है ?
(प्रसाद, पंत, निराला, सक्सेना)

ख) 'वह काँपी सुधर' - कौन ?

ग) वह किस कर्म में लीन थी ?

घ) माथे से क्या गिर पडा ? **(2×1=2)**

निर्देश : किसी **एक** कहानी की समीक्षा कीजिए । **(Weightage 4)**

13. दिल्ली में एक मौत ।

14. मछुआ । **(1×4=4)**